भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2240

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तटीय पर्यटन विकास

2240. श्री राजकुमार धूत:

क्या **पर्यटन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश के 7517 किलोमीटर के समुद्र पट, विशेष तौर पर महाराष्ट्र के समुद्र तट, पर तटीय पर्यटन का विकास करने के लिए कोई रूपरेखा बनाई है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) और (ख) : समुद्र तटीय पर्यटन के विकास सहित पर्यटक स्थलों/गंतव्यों की पहचान एवं विकास करना मुख्यत: संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन का उत्तरदायित्व है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन संबंधी अवसंरचना तथा सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 800.31 करोड़ रु. से देश में तटवर्ती परिपथ के विकास हेतु अब तक 11 परियोजनाएं स्वीकृत की हैं जिसमें वर्ष 2015-16 में स्वीकृत 82.17 करोड़ रु. से महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग तटवर्ती परिपथ का विकास भी शामिल है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता की योजना के अन्तर्गत महाराष्ट्र में मुम्बई पत्तन न्यास के लिए निम्नलिखित परियोजनाएं स्वीकृत की हैं:-

(1) वर्ष 2017-18 के दौरान 1250.00 लाख रु. से इंदिरा डॉक्स मुम्बई के अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उन्नयन/आधुनिकीकरण।

(2) वर्ष 2016-17 के दौरान 1500.00 लाख रु. से कनोजी अन्ग्रे प्रकाश स्तंभ का विकास।

****